सकलडीहा पी०जी० कॉलेज
सलकडीहा–चन्दौली

अकाद्मिक एवं प्रशासनिक सम्परीक्षा (IAAA) रिपोर्ट
(2021-22)

दिनांक..... 20 मई, 2022

उददेश्य: -

संस्था के गुणात्मक एवं मात्रात्मक विकास एवं सुधारों के लिए सुझाव प्रदान करना।

विशेषज्ञ का नाम एवं पद

1. प्रो० प्रमोद कुमार सिंह -
2. प्रो० दयानिधि सिंह यादव
3. प्रो० उदय शंकर झा

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
हिन्दी	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मार्कर - ब्लैक बोर्ड परम्परागत	शिक्षण विधियों में सुधार अपेक्षित।
		शिक्षण सहायक सामग्री	चार्ट्स, E-content	
		परियोजना कार्य	स्नातक एवं परास्नातक में परियोजना कार्य	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	नहीं	
		आंतरिक मूल्यांकन	मौखिक, लिखित एवं अधिन्यास के माध्यम से	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	विषय कार्यालय कक्ष में सुधार (स्वच्छता के संदर्भ में) अपेक्षित।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100 %	
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	—	आयोजन आवश्यक है।
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	कोई नहीं	शैक्षणिक गतिविधियों, प्रकाशन पर बल देना चाहिए। E-learning पर ध्यान अपेक्षित है।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (रिसर्च पेपर)	00	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	01	
		प्रकाशन (पुस्तकें)	01	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	01	
		वाह्य व्याख्यान	01	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
अंग्रेजी	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मार्कर - बोर्ड, परम्परागत शैली	आधुनिक शिक्षण विधियों का प्रयोग अपेक्षित
		शिक्षण सहायक सामग्री	E-Content छाया प्रतियाँ	
		परियोजना कार्य	स्नातक परास्नातक स्तर पर	
		ई-शिक्षण मॉड्यूल	कोई नहीं	
		आंतरिक मूल्यांकन	मौखिक, लिखित परीक्षा एवं अधिन्यास के माध्यम से	
	भौतिक रख-रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	—
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	अच्छी	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100 %	—
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	कोई नहीं	शैक्षणिक आयोजन अपेक्षित
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	कोई नहीं	प्राध्यापकगण को शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता बढ़ानी चाहिए एवं E-Learning पर बल देना चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (रिसर्च पेपर)	00	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (पुस्तकें)	00	
		ई-शिक्षण सामग्री तैयार करना	00	
		वाह्य व्याख्यान	00	

विषय/विभाग /अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
संस्कृत	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मार्कर-बोर्ड परम्परागत शैली	आधुनिक शिक्षण पद्धति का प्रयोग अपेक्षित
		शिक्षण सहायक सामग्री	पुस्तकें, छाया प्रतियाँ	
		परियोजना कार्य	कोई नहीं (BA I & II) परियोजना कार्य (BA III)	
		ई-शिक्षण मॉड्यूल	कोई नहीं	
		आंतरिक मूल्यांकन	लिखित, मौखिक एवं अधिन्यास के द्वारा	
	भौतिक रख-रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	विषय कार्यालय कक्ष में स्वच्छता में सुधार अपेक्षित
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	छात्र प्रतिपुष्टि औपचारिक पद्धति से नहीं ली जाती है। इसे प्रारम्भ किया जाना चाहिए
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	नहीं	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	—
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	कोई नहीं	आयोजन किये जाने चाहिए।
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	कोई नहीं	प्रशिक्षण कार्यक्रमों, वाह्य शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता अपेक्षित।
		संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (पुस्तकें आदि)		
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	कोई नहीं	
		प्रकाशन (रिसर्च पेपर)	00	
		ई-शिक्षण सामग्री तैयार करना	कोई नहीं	
		वाह्य व्याख्यान	कोई नहीं	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
भूगोल	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मार्कर बोर्ड, प्रयोग परम्परागत	स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग शिक्षण में अपेक्षित है।
		शिक्षण सहायक सामग्री	प्रयोगशाला उपकरण, [illegible] प्रतियाँ, E content	
		परियोजना कार्य	स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर	
		ई-शिक्षण मॉड्यूल	कोई नहीं	
		आंतरिक मूल्यांकन	प्रायोगिक लिखित, मौखिक परीक्षा एवं अधिन्यास के द्वारा	
	भौतिक रख-रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता का स्तर बढ़ाया जाना चाहिए। छात्र-प्रतिपुष्टि अधिक व्यवस्थित तरीके से ली जानी चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध (not uptomark)	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	छात्र-संगोष्ठी (01) महाविद्यालय स्तर पर	राष्ट्रीय स्तर के आयोजन हेतु प्रयास होने चाहिए
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	कोई नहीं	प्राध्यापकगण को शैक्षणिक गतिविधियों यथा संगोष्ठी, सम्मेलन में सहभागिता अपेक्षित है। E-learning पर बल देना चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	01	
		प्रकाशन (पुस्तकें)	01	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (रिसर्च पेपर)	00	
		ई-शिक्षण सामग्री तैयार करना		
		वाह्य व्याख्यान	कोई नहीं	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
राजनीति शास्त्र	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मार्कर-बोर्ड परम्परागत	आधुनिक शैक्षण विधियों जैसे स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग किया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	छाया प्रतियाँ, E-content	
		परियोजना कार्य	स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	कोई नहीं	
		आंतरिक मूल्यांकन	मौखिक, लिखित एवं अधिन्यास द्वारा	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता में सुधार अपेक्षित
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	छात्र-संगोष्ठी (01) महाविद्यालय स्तर पर	राष्ट्रीय आयोजन अपेक्षित
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	कोई नहीं	शोध प्रकाशन एवं E-Learning पर बल देना अपेक्षित है।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00 2	
		प्रकाशन	01 2	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन	00	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	00	
		वाह्य व्याख्यान	00	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
अर्थशास्त्र	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मार्कर - बोर्ड परम्परागत	आधुनिक शिक्षण पद्धति का प्रयोग किया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	छाया प्रतियाँ E- content	
		परियोजना कार्य	स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर	
		ई-शिक्षण मॉड्यूल	उपलब्ध कराया जाता है।	
		आंतरिक मूल्यांकन	अधिन्यास, मौखिक एवं लिखित परीक्षा के आधार पर	
	भौतिक रख-रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	विषय कार्यालय में स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	औसत	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	छात्र संगोष्ठी (महाविद्यालय स्तर पर)	राष्ट्रीय स्तर के आयोजन अपेक्षीत
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	02	प्राध्यापकगण को शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता करना चाहिए। E- Learning पर बल देना चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (शोधपत्र)	03	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (पुस्तक आदि)	01	
		ई-शिक्षण सामग्री तैयार करना	06	
		वाहय व्याख्यान	00	

विषय / विभाग / अन्य	मानदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
रक्षा अध्ययन	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	बोर्ड, मार्कर, पावर प्रेजेन्टेशन द्वारा पढ़ाया जाता	तकनीकी शिक्षण विधियों का अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	नक्शा, ग्लोब्स, E-content प्रयोगशाला उपकरण	
		परियोजना कार्य	स्नातक स्तर पर परियोजना कार्य प्रारम्भ कराया जाता है।	
		ई शिक्षण मॉड्यूल		
		आंतरिक मूल्यांकन	असाइनमेंट, मौखिक एवं लिखित	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता की स्थिति बेहतर होनी चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	–
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	संगो. 02 (पूर्व में) छात्र संगोष्ठी 01	पुनः इस प्रकार की संगोष्ठियाँ आयोजित की जानी चाहिए।
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ (शोध)	02 (पूर्व में)	पुनः शोध परियोजनाओं पर कार्य करना चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	01	
		प्रकाशन	00	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन	–	
		ई शिक्षण सामग्री तैयार करना	U-Tube उपलब्ध	
		वाह्य व्याख्यान	–	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
समाजशास्त्र	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	परम्परागत मार्कर - बोर्ड	तकनीकी युक्त आधुनिक शिक्षण पद्धति का प्रयोग बढ़ाया चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	छाया प्रतियाँ E-content	
		परियोजना कार्य	स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	उपलब्ध कराया जाता है।	
		आंतरिक मूल्यांकन	अभिन्यास, मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	छात्र प्रतिपुष्टि औपचारिक ढंग से ली जानी चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	अच्छी	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध नहीं।	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	—
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	छात्र संगोष्ठी (01)	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी हेतु प्रयास किये जाने चाहि
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	00	प्राध्यापकगण को सम्यक रूप से शैक्षणिक गतिविधियों यथा प्रशिक्षण आदि में भाग लेना चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	08	
		प्रकाशन	03	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन	03	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	—	
		वाह्य व्याख्यान	01	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
मनोविज्ञान	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	परम्परागत शिक्षण पद्धति (ब्लैक बोर्ड)	तकनीकी युक्त आधुनिक शिक्षण पद्धति का प्रयोग किया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	छाया प्रतियाँ, E-content प्रयोगशाला उपकरण	
		परियोजना कार्य	स्नातक स्तर पर	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	—	
		आंतरिक मूल्यांकन	अधिन्यास, लिखित एवं मौखिक परीक्षा द्वारा	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	—
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	—	इस प्रकार की बौद्धिक गतिविधियें नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए।
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	00	
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (पुस्तकें आदि)	00	प्रकाशन में वृद्धि की जानी चाहिए।
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	01	प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता बढ़ानी चाहिए।
		प्रकाशन (शोध पत्र)	00	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	00	
		वाह्य व्याख्यान	00	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
गृह विज्ञान	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	परम्परागत	शिक्षण-अधिगम में आधुनिक पद्धति का प्रयोग किया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	बोर्ड-मार्कर, छाया प्रतियाँ, E-content	
		परियोजना कार्य	प्रयोगशाला उपकरण स्नातक स्तर पर	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	—	
		आंतरिक मूल्यांकन	मौखिक, लिखित परीक्षा, अधिन्यास	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता हेतु महाविद्यालय प्राचार्य/प्रशासन से वार्ता करनी चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	स्वच्छता में सुधार अपेक्षित है।
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	—	छात्र–प्रतिपुष्टि पर बल दिया जाना चाहिए।
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	00	छात्र-संगोष्ठी आयोजित की जानी चाहिए।
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	00	प्रत्येक क्षेत्र में सुधार अपेक्षित है।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (पुस्तकें)	00	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (शोध पत्र)	00	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	00	
		वाहय व्याख्यान	00	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
शारीरिक शिक्षा	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	व्याख्यान, Power point projector	आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग किया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	ब्लैक बोर्ड, E content प्रयोगशाला उपकरण	
		परियोजना कार्य	आंतरिक उपलब्ध	
		ई शिक्षण मॉड्यूल	स्नातक स्तर पर उपलब्ध कराया जाता है।	
		आंतरिक मूल्यांकन	प्रश्नोत्तर, मौखिक, लिखित परीक्षा द्वारा	
	भौतिक रख रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता में सुधार अपेक्षित है। व्यक्तिगत ध्यान दिया जाना चाहिए।
		शिक्षकों का समयविभाग	उपलब्ध	
		शैक्षणिक परिपत्र कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100%	
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	—	शैक्षणिक आयोजन पर बल देना चाहिए
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	00	प्राध्यापक द्वारा स्व-कौशल विकास संबंधी गतिविधियों में वृद्धि करनी चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	00	
		प्रकाशन (पुस्तकें आदि)	00	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	01	
		प्रकाशन (शोध पत्र)	00	
		ई शिक्षण सामग्री तैयार करना	00	
		वाह्य व्याख्यान	00	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
प्राचीन इतिहास	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	–	–
		शिक्षण सहायक सामग्री	–	
		परियोजना कार्य	–	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	–	
		आंतरिक मूल्यांकन	–	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	–	–
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	–	
		कैलेंडर	–	
		स्वच्छता	–	
		छात्र प्रतिपुष्टि	–	
		उपस्थिति पंजिका	–	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	–	–
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	–	–
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	–	–
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	–	
		प्रकाशन	–	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	–	
		प्रकाशन	–	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	–	
		वाह्य व्याख्यान	–	

विषय / विभाग / अन्य	मापदण्ड	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
बी0एड0	शिक्षण और अधिगम	शिक्षण विधियाँ	परम्परागत	तकनीकी युक्त आधुनिक शिक्षण पद्धति पर बल दिया जाना चाहिए।
		शिक्षण सहायक सामग्री	बोर्ड- मार्कर, E-content प्रयोगशाला उपकरण	
		परियोजना कार्य	स्नातक स्तर पर	
		ई–शिक्षण मॉड्यूल	उपलब्ध कराया जाता है।	
		आंतरिक मूल्यांकन	असाइनमेन्ट, मौखिक लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा द्वारा	
	भौतिक रख–रखाव	पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि	उपलब्ध	स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। हाल प्रतिपुष्टि ली जानी चाहिए। विश्लेषण के उपरांत अपेक्षित सुधार किये जाने चाहिए।
		शिक्षकों का व्यक्तिगत शैक्षणिक परिपत्र	उपलब्ध	
		कैलेंडर	उपलब्ध	
		स्वच्छता	सामान्य	
		छात्र प्रतिपुष्टि	उपलब्ध नहीं	
		उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध	
	परामर्श	मेंटर्स का प्रतिशत	100 %	—
	आयोजन	सेमिनार, वर्कशाप, व्याख्यान आदि	00	शैक्षणिक आयोजनों पर बल दिया जाना चाहिए।
	शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि	जारी एवं पूर्ण परियोजनाएँ	00	शोध प्रकाशन पर अधिक जोर देना आवश्यक। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता में वृद्धि करना चाहिए।
		संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता	03	
		प्रकाशन (पुस्तकें)	00	
		FDP/PDP/RC/OC आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला में प्रतिभागिता	07	
		प्रकाशन (शोध पत्र)	02	
		ई–शिक्षण सामग्री तैयार करना	00	
		वाह्य व्याख्यान	03	

विषय/विभाग/अन्य	विषय सूची	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
संस्थागत गतिविधियाँ	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन	00 (राष्ट्रीय स्तर पर)	राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार आदि पर बल दिया जाना चाहिए। उपचारात्मक शिक्षण पर बल दिया जाना चाहिए।
	लिंग समानता संवर्धन कार्यक्रम	03 (अच्छा)	
	विस्तार गतिविधियाँ	उत्तम	
	सरकारी योजनाएँ	निम्न (असंतोषजनक)	
	वार्षिक पत्रिका	प्रक्रियागत	
	उपचारात्क कक्षाएँ	संतोषजनक	
	राष्ट्र दिवस समारोह	उत्तम	
	प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	न्यूनतम	
	सांस्कृतिक कार्यक्रम	सांस्कृति समिति, रोवर्स-रेंजर्स एवं NSS द्वारा — सामान्य	
	खेल कार्यक्रम	संतोषजनक	
पुस्तकालय	स्वच्छता	सामान्य	पुस्तकों आदि के बारकोडिंग आवश्यक। पुस्तकों आदि के क्रय में वृद्धि की जाती है। शोध पत्रिकाओं का क्रय किया जाना चाहिए।
	खरीदी गई पुस्तको की संख्या	25000 (लगभग)	
	वार्षिक व्यय	₹ 99450/- मात्र	
	आई.सी.टी. सुविधा	असंतोषजनक	
वाचनालय	स्वच्छता	सामान्य	अंग्रेजी समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ उपलब्ध होनी चाहिए।
	वार्षिक व्यय	—	
वार्षिक व्यय	रखरखाव पर व्यय	—	रख-रखाव पर महाविद्यालय द्वारा अधिक ध्यान देना आवश्यक है।
	शैक्षणिक व्यय	—	
	भौतिक व्यय	—	

विषय/विभाग/अन्य	मानदण्ड	सत्यापन टिप्पणी	सुधार हेतु सुझाव
छात्र मांग अनुपात			
लड़कियों का प्रतिशत		60%	
उत्तीर्ण प्रतिशत		90%	
सहकार्यता	MOUs	08	MOUs के तहत कार्य किया जाना आवश्यक है।
कार्यालय	कार्यालय में आई.सी.टी. का प्रयोग	सामान्य	दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जा सकता है। अधिकांश पटल सहायक/लिपिक कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी रखते हैं। सुधार अपेक्षित है।
	दस्तावेजों का रख-रखाव	सामान्य	
	स्वच्छता	सामान्य	
	कैश बुक, लेजर, जी.पी.एफ. बुक, इ.पी.एफ., एन.पी.एस. आदि का अद्यतनीकरण	अद्यतन	
	प्रवेश पंजिका शुल्क पंजिका आदि का प्राचार्य द्वारा अवलोकन	अवलोकित	
पर्यावरण अनुकूल वातावरण	बाई साइकल का उपयोग प्रतिशत	अधिकतम (उत्कृष्ट)	दिव्यांगजनों हेतु सुविधाओं में वृद्धि की जा सकती है।
	उर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग	सौर ऊर्जा (उत्तम)	
	दिव्यांगजनो के लिए सुविधाएँ	रैम्प (05)	

प्रो० प्रमोद कुमार सिंह (अंग्रेजी) -

प्रो० दयानिधि सिंह यादव (हिन्दी)

प्रो० उदय शंकर झा (संस्कृत) -

विश्लेषण

महाविद्यालय को परंपरागत के साथ–साथ नवीन शिक्षण विधियाँ जिसमें आईसीटी टूल्स एवं ई–रिसोर्स का उपयोग होता है, पर निर्भरता बढानी चाहिए। यद्यपि शिक्षण–अधिगम एवं शैक्षणिक परामर्श में अधिकांश शिक्षकगण द्वारा सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप का उपयोग प्रशंसनीय है। अधिकांश प्राध्यापकगण छात्र/छात्राओं को शैक्षणिक परामर्श हेतु भौतिक रूप से उपलब्ध होते हैं। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया का भी प्रयोग करते हैं। प्रत्येक विषय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र/छात्रायें सोशल मीडिया के द्वारा जुड़े हुए हैं। कोविड–19 के दौर में शिक्षकगण ने Zoom, Google Meet पर शिक्षण कार्य किया।

कुछ विषयों में विषय प्राध्यापकगण द्वारा छात्र प्रतिपुष्टि नहीं ली गई है। यह शिक्षण अधिगम में अरुचि को प्रदर्शित करता है, परा-स्नातक विषयों में विद्यार्थियों को परियोजना कार्य दिया जाता है। स्नातक स्तर पर कुछ ही विषयों में परियोजना कार्य दिया जाता है। पाठ्यक्रम में बिना अनिवार्यता के भी छात्र–छात्राओं को परियोजना कार्य दिया जाना चाहिए इससे अधिगमकर्ता का लेखन कौशल विकसित होता है। समस्त प्राध्यापकगण POs, COs एवं लर्निंग आउटकम से परिचित है किंतु वृहद स्तर पर उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। कुछ ही शिक्षकगण द्वारा शिक्षण में ई–मॉड्यूल्स का प्रयोग किया गया है।

सभी विषय कक्षा में पाठ्यक्रम की प्रतिलिपि, शिक्षकगण का सी.वी., कैलेंडर, घड़ी, उपस्थिति पंजिका आदि उपलब्ध है। महाविद्यालय के मात्र चार विषय कक्ष (कुल 13 कक्ष) में ही ग्लोब है। अधिकांश में रख–रखाव एवं स्वच्छता की स्थिति अच्छी (Good) एवं कुछ विषय कक्षा में संतोषजनक है। समग्र रूप से रखरखाव एवं स्वच्छता में सुधार अपेक्षित है। कुछ शिक्षण–कक्षों में भी साफ–सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है।

शैक्षणिक आयोजन जैसे–सेमिनार, वर्कशॉप, व्याख्यान पर महाविद्यालय को अत्यधिक जोर देने की आवश्यकता है। संगोष्ठी, पुनश्चर्या, अभिविन्यास, व्याख्यान आदि कार्यक्रमों में कम प्रतिशत में संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता की गई है। इसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों से स्तरीय ई–कंटेंट (E-Content) सृजित करना अपेक्षित है।

महाविद्यालय स्तर पर भी संवेदन संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन नहीं हुआ हैं। कोविड–19 प्रोटाकॉल का पालन करते हुए इस प्रकार के छोटे आयोजन किया जा सकते थे। महाविद्यालय द्वारा की गई विस्तारित गतिविधियाँ (Extension Activities) की गई हैं जो कि कोविड–19 काल में प्रशंसनीय है। कोविड–19 के कारण बड़े स्तर पर सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन एवं उपचारात्मक कक्षाओं का संचालन नहीं हो सका है। यद्यपि आगामी वर्षों में महाविद्यालय प्रशासन को इन पर ध्यान आकृष्ट करना समीचीन होगा।

महाविद्यालय के सहयोग से संचालित प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग का प्रयास सराहनीय है। महाविद्यालय को पुस्तकालय को ई–लाइब्रेरी बनाने की ओर ध्यान देना होगा एवं पुस्तकालय में ICT सुविधाओं का विकास करना तत्कालिक रूप से अत्यंत आवश्यक है। पुस्तकालय में शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं का आवागमन एवं पुस्तकों का कम संख्या में निर्गमन बेहद चिंतनीय है। यद्यपि पुस्तकों का कम संख्या (927) में क्रय हुआ है, पुस्तकों के क्रय में रू0 99450/– निन्यान्वे हजार चार सौ पच्चास मात्र) व्यय हुए हैं जो कि छात्र संख्या को देखते हुए पर्याप्त नहीं है। पुस्तकालय द्वारा शोध पत्रिकाओं की क्रय सदस्यता (Subscription membership) नहीं ली गई है। वाचनालय में कुछ अंग्रेजी समाचार पत्र भी मँगाये जाने चाहिए एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पत्रिकाओं का क्रय किया जाना चाहिए।

सभी विषयों में प्राध्यापकों द्वारा छात्रों का आंतरिक मूल्यांकन किया गया है एवं ऐसा प्रतीत होता है कि महाविद्यालय नई शिक्षा नीति को सफलतापूर्वक लागू कर सका है। महाविद्यालय में छात्रों का माँग अनुपात परास्नातक स्तर पर कम है, जिसमें सुधार अपेक्षित है। महाविद्यालय में छात्राओं का नामांकन प्रतिशत उत्कृष्ट है, छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत अच्छा है। महाविद्यालय द्वारा एक समझौता ज्ञापन किया गया जो की कार्यरत है किंतु इसका दायरा सीमित (मात्र 10 छात्र) हैं। इसको विस्तारित किया जा सकता है।

महाविद्यालय कार्यालय में कुछ लिपिक/पटल सहायक कंप्यूटर के ज्ञान से अनभिज्ञ हैं। कार्यालय के कार्यों में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का प्रयोग नहीं होता है। अधिकांश पत्रजात/दस्तावेज **MS Office (MS word, MS**

Excel) पर ही बनाए जाते हैं। महाविद्यालय में सहगामी प्रशासन पूर्णतः सफल है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा गठित समस्त समितियाँ एवं प्रकोष्ठ अद्यतन कार्यरत हैं।

महाविद्यालय का वातावरण भौतिक एवं शैक्षणिक रूप से शिक्षण एवं अधिगम के लिए अनुकूल है। महाविद्यालय में 95% से अधिक छात्र/छात्राएं महाविद्यालय आवागमन हेतु साईकिल का प्रयोग करते हैं। अधिकांश प्राध्यापकगण व्हीकल पूलिंग प्रणाली का पालन करते हैं। महाविद्यालय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत (सौर ऊर्जा) का बखूबी प्रयोग कर रहा है। महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन है। जिसके अवलोकन से पता चलता है कि महाविद्यालय छात्रों के कैरियर परामर्श एवं छात्रों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देता है। महाविद्यालय प्रांगण पॉलिथीन एवं रैगिंग मुक्त परिसर घोषित है। महाविद्यालय नकल विहीन परीक्षा के लिए उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र (15 जनपद) में विख्यात है। महाविद्यालय में एन.एस.एस. एवं रोवर्स रेंजर्स द्वारा बहुत अधिक विस्तारित गतिविधियों की गई है, महाविद्यालय आजादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन शक्ति के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित करने में सफल रहा है।

प्रो॰ प्रमोद कुमार सिंह —

प्रो॰ दयानिधि सिंह यादव

प्रो॰ उदय शंकर झा —

प्राचार्य
सकलडीहा पी०जी० कालेज
सकलडीहा-चन्दौली

(कृपया आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पृष्ठ का प्रयोग करें।)